कोटद्वार,मंगलवार
26 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 234 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पुंछ दौरे से पहले महबूबा नजरबंद

सेना पर हमले के बाद उसी स्थान पर मृत मिले हैं 3 नागरिक

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को सुरनकोट पुंछ की उनकी योजनाबद्ध यात्रा से पहले श्रीनगर में कथित तौर पर नजरबंद कर दिया गया है। पार्टी के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। पार्टी ने कहा कि सुश्री महबूबा स्थिति का आकलन करने और 'हिरासत में मारे गए सेना' के परिवारों से मिलने के लिए सुरनकोट जाने की योजना बना रही थीं।

पीडीपी ने एक्स पर सुश्री महबूबा के आवास के बंद गेट की तस्वीर पोस्ट की। सुश्री महबूबा को नजरबंद किए जाने के बारे में अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। गौरतलब है कि पुंछ के बुफलियाज गांव में गुरुवार को घात लगाकर किए गए हमले में चार सैनिकों के मारे जाने के बाद जम्मू क्षेत्र के पुंछ–राजौरी इलाके में आक्रोश फैला हुआ है।

एक दिन बाद सेना द्वारा कथित तौर पर उठाए गए तीन नागरिक घात स्थल के पास मृत पाए गए। उनके रिश्तेदारों और राजनीतिक नेताओं ने आरोप लगाया है कि तीनों की मौत 'हिरासत में यातना' के कारण हुई। सेना ने पुंछ में तीन नागरिकों की मौत की गहन आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं। न तो सेना और न ही जम्मू–कश्मीर सरकार ने हालांकि हिरासत में हत्या के आरोपों से इनकार किया है।

पिटकुल टेंडर घोटाले में विजिलेंस जांच से कतरा रही सरकार

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष व जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि वर्षों पहले पिटकुल अधिकारी (वर्तमान में एमडी यूपीसीएल) व अधिकारियों व ठेकेदारों के समूह की जुगलबंदी ने टेंडर पुलिंग कर निम्नतम स्तर के करोड़ों रुपए के ट्रांसफार्मर खरीद कर सरकार को कई करोड़ रुपए की चपत लगाई। मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि पता नहीं क्यों सरकार पिटकुल टेंडर पुलिंग घोटाले में विजिलेंस जांच से कतरा रही है। जबकि इसको लेकर जांच कमेटी का गठन किया गया था। घोटाले जलसाजी के मामले में पिटकुल अध्यक्ष राधा रतूड़ी द्वारा 28 जून को सचिव, ऊर्जा को रिपोर्ट प्रेषित की गई। जिसमें उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश की गई।

उच्च स्तरीय जांच कराने का आग्रह

इसी क्रम में पिटकुल के वर्तमान प्रबंध निदेशक पीसी ध्यानी द्वारा भी शासन को रिपोर्ट 22 जनवरी को प्रेषित की गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। उक्त मामले में सरकार द्वारा कोई सकारात्मक कार्रवाई न किए जाने को लेकर मोर्चा द्वारा राजभवन को पत्र प्रेषित कर विजिलेंस या उच्च स्तरीय जांच कराने का आग्रह किया गया।

सीएम ने शहीद गौतम और वीरेंद्र को दी श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंच कर जम्मू कश्मीर में माँ भारती की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कोटद्वार निवासी राइफलमैन गौतम कुमार और चमोली के वीरेन्द्र सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले हमारे इन शहीदों को देश हमेशा याद रखेगा। राज्य सरकार हर पल सैनिक परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने शहीद गौतम कुमार और वीरेन्द्र सिंह के परिजनों से बात कर ढांढस बंधाया।

दिवंगत आत्माओं की शांति और दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करने की मुख्यमंत्री ने ईश्वर से कामना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा के लिए हमारे जवानों द्वारा दिया गया बलिदान सदैव हम सभी को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · The Fern · CROWNE PLAZA · JAYPEE HOTELS & RESORTS · COUNTRY · COURTYARD Marriott AHMEDABAD · SAYAJI · WELCOMHOTEL · PRIDE · HYATT · TAJ HOTELS & RESORTS · Marriott HOTELS & RESORTS · RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

राज्यपाल ने किया वीर बाल दिवस के अवसर वीर साहिबजादों का भावपूर्ण स्मरण

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने वीर बाल दिवस के अवसर वीर साहिबजादों का भावपूर्ण स्मरण किया है। राज्यपाल ने बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह एवं माता गुजरी जी के बलिदान को याद करते हुए अपनी श्रद्धाजंलि दी है। पूर्व संध्या में जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि आज वीर साहिबजादों के त्याग, बलिदान, वीरता, साहस की महान पराकाष्ठा को याद करने का दिन है, जिन्होंने अपने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका बलिदान भारतीय पारंपरिक मूल्यों को दर्शाता है। वीर बाल दिवस के अवसर पर दिनांक 26 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से राजभवन में वीर साहिबजादों की शहादत को याद किए जाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संस्कृत विश्वविद्यालय के संयोजन में इस कार्यक्रम में राज्यपाल के अलावा कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि ह्यवीर बाल दिवसह्ल भारतीयों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है, जो राष्ट्र की प्रगति में बच्चों के अमूल्य योगदान को याद करता है। सिख धर्म में, बलिदान की गूंज इतिहास में गहराई से अंतर्निहित है, खासकर युवा साहिबजादों के जीवन के माध्यम से इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। इन बहादुर बच्चों ने अटूट साहस का प्रदर्शन किया और मुगलों के खिलाफ ह्यखालसा पंथह्ल की पहचान और गरिमा को बनाए रखते हुए अपने विश्वास के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इसलिए, वीर बाल दिवस न केवल उन्हें बल्कि अनगिनत बच्चों को भी श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में असाधारण बहादुरी दिखाई है।

उन्होंने कहा कि इन युवा नायकों की ताकत न केवल उनके शारीरिक लचीलेपन में है, बल्कि सिख धर्म के मूल सिद्धांतों न्याय और समानता के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए उनके दृढ़ संकल्प में भी निहित है। जिस तरह साहिबजादों ने अशांत समय का सामना गरिमा और ईमानदारी के साथ किया, उसी तरह आज के बच्चे उनकी विरासत से प्रेरणा लेते हैं, समकालीन चुनौतियों का सामना करते हुए भी लचीलापन दिखाते हैं। हर साहसी बच्चे के पीछे एक परिवार खड़ा होता है जो सच्चे धैर्य का प्रतीक है, और सिख समुदाय कोई अपवाद नहीं है।

राज्यपाल ने कहा कि साहिबजादों के परिवार, विशेष रूप से उनकी मां, माता गुजरी जी ने प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए अद्वितीय शक्ति और विश्वास का प्रदर्शन किया। उनका बलिदान आज चुनौतियों का सामना कर रहे सिख परिवारों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम करता है। वीर बाल दिवस मानते हुए हम न केवल बचपन की खुशी और मासूमियत का आनंद लें, बल्कि सिख धर्म के संदर्भ में असाधारण बच्चों और उनके परिवारों के लचीलेपन, ताकत और बलिदान पर भी विचार करें। साहिबजादों की विरासत और सिख इतिहास में अंतर्निहित बलिदान हमें याद दिलाते हैं कि करुणा, बहादुरी और न्याय के मूल्य युगों से बने हुए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि विश्व के इतिहास में केवल गुरु गोविंद सिंह जी ही ऐसे महापुरुष हुए, जिनको ह्यसशहीद पिता के बेटे और शहीद बेटों के पिता होने का गौरवह्ल प्राप्त था। इन युवा नायकों का सम्मान करके, हम एक ऐसी दुनिया बनाने की प्रतिज्ञा करते हैं जहां हर बच्चा, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, सीख सकता है, और शांति और प्रेम के माहौल में पनप सकता है। ऐसा करते हुए, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सिख इतिहास और उससे परे इन युवा नायकों के बलिदानों को कभी भुलाया न जाए।

राज्यपाल ने कहा कि सिख धर्म अपनी उत्पत्ति के बाद से ही समाज में एक सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रहा है। यह मात्र कोई धर्म नहीं बल्कि राष्ट्रप्रेम की भावना को साथ में रखकर जीवन जीने की सभ्यता है। सिख शब्द का अर्थ है सत्य की खोज। सिख धर्म महिलाओं और पुरुषों की समानता के लिए तत्पर है, यह सभी प्रकार के भेदभाव की निंदा करता है और मानव स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, सार्वभौमिकता, विवेक की स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय, नैतिक जीवन, लिंग समानता, और ह्यसचढ़दी कलांह्ल या गतिशील शक्ति के लिए खड़ा है। यह प्रेम, निस्वार्थ सेवा, मानवीय गरिमा, आत्मसम्मान, सिमरन और ह्यसरबत दा भलाह्ल में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि छोटे साहिबजादे, बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह, गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे बेटे थे। 1705 में, मुग़ल काल के दौरान उन्हें बंदी बना लिया गया था और जबरन धर्म परिवर्तन से इंकार करने पर उन्हें मृत्यु दण्ड सुनाई गई। छह और नौ साल की उम्र में, वे अपने धर्म को छोड़ने की बजाय मृत्यु चुनी और इसके परिणामस्वरूप मुग़लों द्वारा उन्हें दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश जारी किया गया। वह असाधारण साहस और सिख सिद्धांतों के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंकिता भंडारी केस में रिजॉर्ट तोड़ने वालों पर हो मुकदमाः माहरा

हरिद्वार। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कहा कि कोर्ट में रिजॉर्ट पर जेसीबी चलाने वाले ड्राइवर ने अपनी गवाही में पूरे सरकारी सिस्टम की पोल खोल कर रख दी है। सीधे तौर पर एसडीएम और भाजपा विधायक का नाम लेते हुए कहा है कि उनके इशारे पर रिजॉर्ट पर जेसीबी चलाई गई। उन्होंने रिजॉर्ट तुड़वाने वालों के खिलाफ साक्ष्य मिटाने का केस दर्ज कराने की मांग की। कांग्रेस भवन में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में माहरा ने कहा कि कोर्ट में ड्राइवर ने कहा है कि उन्हें एसडीएम, विधायक ने रिजॉर्ट तोड़ने के निर्देश दिए। इसके बाद सरकारी सिस्टम से ही रिजॉर्ट तोड़ने के ट्विट हुए। बाद में कानूनी राय के बाद उन्हें डिलीट कर दिया गया। इन सभी के खिलाफ तत्काल केस दर्ज किए जाएं। उन्होंने अभी तक इस पूरे मामले में विधायक के खिलाफ पूछताछ न होने पर भी सवाल उठाए। माहरा ने कहा कि पहाड़ में लगातार बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है। विनीता भंडारी के हत्यारे भी खुले घूम रहे हैं। उत्तरकाशी में बेटियों को पोक्सो केस में मुआवजा तक नहीं मिला। एनसीआरबी के आंकड़े साफ बता रहे हैं कि किस तरह उत्तराखंड हिमालयी राज्यों में बेटियों से जुड़े अपराध के मामले में सबसे आगे है। सबसे अधिक रेप, उत्पीड़न के केस यहीं हो रहे हैं। हल्द्वानी संरक्षण गृह में कई केस सामने आ गए हैं। इसी सिस्टम की कमी के कारण पहले हाकम सिंह जेल से बाहर आ गया। अब पुलकित आर्य भी बाहर आ जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसोनी के साथ ही महेंद्र नेगी, शीशपाल बिष्ट, अमरजीत सिंह, नवीन जोशी, आशीष नौटियाल आदि मौजूद रहे।

वर्ष 2017 से दुर्गम सेवा का लाभ देने से शिक्षक नाराज

देहरादून। शिक्षा विभाग ने सात हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित स्कूलों के शिक्षकों की एक साल की सेवा को दो साल की दुर्गम की सेवा के रूप में जोड़ना शुरू कर दिया। विभागीय एजुकेशन पोर्टल पर सभी शिक्षकों की सेवा अवधि के अनुसार रिकार्ड को नए सिरे से संशोधित किया जा रहा है। सात हजार फीट से नीचे के दुर्गम स्कूल में सेवा करने वाले शिक्षकों को एक साल के स्थान पर सवा साल का लाभ मिल रहा है। पर, शिक्षकों को एक बड़ा वर्ग इससे नाराज भी है।

सीएम धामी ने दी पूर्व पीएम भारत रत्न, स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर श्रद्धांजलि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ एवं लोकप्रिय जन नेता के साथ महान वक्ता थे, जिन्हें समाज के सभी वर्गों के लोग सम्मान देते थे। स्व. वाजपेयी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। अटल जी उत्तराखण्ड राज्य के प्रणेता रहे हैं, उन्होंने न केवल उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया बल्कि राज्य विकास के लिए आधार भी तैयार किए। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

निवेश के नाम पर 15 करोड़ की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। निवेश के नाम पर पूरे देश में करीब 15 करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अहमदाबाद गुजरात से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ देशभर में 102 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। करीब 17 राज्यों की पुलिस को उसकी तलाश थी। एसटीएफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि मामले में देहरादून निवासी एक व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उन्हें निवेश कर 30 से 40 फीसदी तक लाभ कमाने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद उन्हें कुछ टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया।

आरोपियों ने उन्हें कुछ टास्क दिए और 34.08 लाख रुपये निवेश कराया। लेकिन रकम देने के बाद न उन्हें लाभ मिला और न निवेश की गई रकम वापस लौटाई गई। अग्रवाल ने बताया कि काफी छानबीन के बाद आरोपी की पहचान हण्टर इरीच पुत्र पूजवेल्ट निवासी नारोल अहमदाबाद गुजरात के रूप में हुई। एसटीएफ ने दबिस देकर उसे अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूरे देश में 102 शिकायतें दर्ज हैं, इसमें निवेश के नाम पर लोगों से 15 करोड़ 20 लाख रुपये हड़पे गए।

गोल्फ लीग में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

देहरादून। फ्रीमा गोल्फ कोर्स में उत्तराखंड की पहली देहरादून गोल्फ लीग का आयोजन किया गया। पूरे माह खेली गई लीग में 90 गोल्फ खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। दस टीमों में नौ-नौ खिलाड़ी शामिल थे। फाइनल प्रतियोगिता मे फेयरवे फाइटर्स, विश्रांती हौस्पिटैलिटी, सुल्तान औफ स्विंग्स, अवतारा स्टिंगर्स और ओरिजिनल दून राइडर्स के बीच मुकाबला हुआ।

विश्रांती हौस्पिटैलिटी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया। फेयरवे फाइटर्स दूसरे एवं ओरिजिनल दून राइडर्स ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। आईएमए कमांडेंट जनरल विजय मिश्रा ने गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए पूरा सहयोग देने की बात कही। लीग आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों ने सुमेरु बहुगुणा एवं धर्मेंद्र वोहरा का आभार जताया।

प्रतियोगिता के स्टार खिलाड़ी समृद्ध चंद ठाकुर ने माइनस पांच का स्कोर खेल कर फ्रीमा गोल्फ कोर्स में नया कीर्तिमान बनाया। हैरी मान ने होल इन वन कर प्रतियोगिता में रंग जमाया।

नोबेल पुरस्कार विजेता एरोन एसआरएचयू के कैंसर रिसर्च में होंगे चेयर प्रोफेसर

देहरादून। इजरायली मूल के नोबेल पुरस्कार विजेता और बायोकेमेस्ट्री विशेषज्ञ डा. आरौन चिहानौवेयर स्वामी राम चेयर फ़ॉर कैंसर रिसर्च में बतौर चेयर प्रोफेसर सेवा देंगे। वे कैंसर बायोलॉजी में शोध कार्यों को गाइड करेंगे। डा.आरौन के नए शैक्षणिक सत्र से यूनिवर्सिटी में बतौर चेयर प्रोफेसर की जिम्मेदारी संभालेंगे। डॉ. आरौन को 2004 में संयुक्त रूप से अवराम हर्शको और इरविन रौज के साथ यूपीक्यूटीन मेडियेटड प्रोटीन की खोज के लिए, बायोकेमेस्ट्री के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे वर्तमान में इजरायल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में मेडिसिन फेकल्टी में प्रोफेसर के साथ ही इजरायल नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, द यूरोपियन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑर्गनाइजेशन समेत विभिन्न अकादमियों के सदस्य हैं। एसआरएचयू यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डा.राजेंद्र डोभाल ने बताया कि डा. आरौन इससे पहले भी इसी साल मार्च में एचआरएचयू यूनिवर्सिटी में मेडिकल छात्रों और फैकल्टी के समक्ष व्याख्यान दे चुके हैं। उनका यूनिवर्सिटी में आना न केवल पूरे राज्य के लिये सम्मान की बात है, बल्कि ये मेडिकल छात्रों के शैक्षणिक भविष्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होने वाला है।

क्यों मिला था डॉ एरोन को नोबेलः प्रोटीन सभी जीवित चीजों में पाया जाता है। पिछले कई दशकों से विशेषज्ञ इस बात का पता लगाने में उलझे हुए थे कि प्रोटीन का उत्पादन शरीर में कैसे होता है। डॉ. एरोन और उनके साथियों ने सबसे पहले बताया था कि कोशिकाओं में सबसे महत्वपूर्ण यूबिकिटिन प्रोटीन का उत्पादन और क्षरण कैसे होता है।

डा. आरौन के साथ ही यूनिवर्सिटी ने कई अंतरराष्ट्रीय विवि और संस्थाओं में उच्च पदों पर कार्य कर रहे विशेषज्ञों को यहां अध्यापन एवं रिसर्च के लिए आमंत्रित किया है। इससे स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय एक्स्पोज़र मिलेगा जो भविष्य में निश्चित ही उनके काम आएगा।

– डा. विजय धस्माना , कुलाधिपति, एसआरएचयू।

रंगारंग कार्यक्रमों से बांधा समां, 17 लोगों को नवाजा

देहरादून। अजबपुर स्थित संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में सातवां उत्तराखंड उदय सांस्कृतिक महोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रंगारंग कार्यक्रमों से कलाकारों ने समां बांधा। वरदान संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम का संस्था के संरक्षक डा. डीएस मान, डा. सुनील अग्रवाल, चौधरी दरयाव सिंह, राजेंद्र प्रसाद सती ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा ने प्रतिभाओं को नवाजा। डॉ. अजय जसोला, पं. विनोद पोखरियाल, संदीप गुप्ता, डॉ. विपुल कंडवाल, शिल्पा भट्ट, अर्पित जैन, मनीष गोयल को सम्मानित किया गया।

सैन्य सम्मान के साथ शहीद गौतम को दी अंतिम विदाई

शहीद बेटे के पार्थिव शरीर को देख रोते हुए परिजन।

2014 में भर्ती हुए थे गौतम

गौतम वर्ष 2014 में सेना के 89 आर्म्ड कोर में भर्ती हुए थे। वह पिछले दो साल से जम्मू कश्मीर के पुंछ सेक्टर में तैनात थे। एक दिसंबर को ही वह 15 दिन की छुट्टी पर घर आया था और 16 दिसंबर को फिर ड्यूटी ज्वाइन की थी। सितंबर में उसकी सगाई ऋषिकेश में हुई थी, पूरा परिवार शादी को लेकर उत्साहित था। लेकिन, बृहस्पतिवार रात 12:30 बजे सेना के अधिकारियों ने फोन पर उन्हें गौतम के बलिदान की खबर दी, जिससे पूरे परिवार सदमे में है। दो साल पहले ही उनके पिता का निधन हुआ था। वह शिक्षा विभाग में थे। माता नीलम देवी गृहणी हैं। गौतम चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। दो बहनों की शादी हो चुकी है। राहुल भी शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। बता दें कि बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के बफलियाज इलाके में हुए आतंकी हमले में गढ़वाल मंडल के दो वीर बलिदान हो गए थे। इनमें पौड़ी जिले के कोटद्वार निवासी राइफलमैन गौतम कुमार (29) और चमोली जिले के बमियाला गांव के वीरेंद्र सिंह थे।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले कोटद्वार के शिवपुर निवासी गौतम कुमार को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। शहीद का शव घर में पहुंचते ही जहां माहौल गमगीन हो गया, वहीं भारत माता की जयघोष के साथ पूरा क्षेत्र गूंज उठा। अंतिम यात्रा में सेना के जवानों सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने नम आंखों से शहीद जवान को विदाई दी। इस दौरान उमड़े जन सैलाब ने जहां पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए, वहीं शहीद के परिजनों को ढांढस भी बंधाया। इस अवसर पर सेना की टुकड़ी के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सशस्त्र सलामी दी। उसके बाद सेना के अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित किए।

सोमवार सुबह 11 बजे के करीब शहीद के पार्थिव शरीर को सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से कोटद्वार लाया गया। जैसे ही शहीद का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर उसके घर पहुंचा तो अंतिम दर्शन करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

इस दौरान शहीद जवान के घर से लेकर शमशान घाट तक माहौल पूरी तरह से गमगीन रहा। शव यात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगे लेकर शहीद गौतम कुमार अमर रहे, भारत माता की जय के नारे लगाकर अंतिम विदाई दी। सेना के जवानों ने हवा में गोली दाग कर शहीद को सलामी दी। इसके बाद मुक्तिधाम में शहीद को अंतिम विदाई दी गई। इस अवसर पर शहीद गौतम जिंदाबाद और जब तक सूरज चांद रहेगा, गौतम तेरा नाम रहेगा के नारों से आसमान गूंज उठा। बतातें चलें कि शिवपुर कोटद्वार निवासी गौतम बीती 21 दिसंबर को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी हमले में शहीद हो गये थे। शनिवार को शहीद के पार्थिव शरीर को कोटद्वार लाने के लिए प्रशासन की ओर से शहीद के परिजनों को जम्मू भेजा गया था। जहां से सोमवार को शहीद के पार्थिव शरीर को कोटद्वार लाया गया। उनको अंतिम विदाई देने वालों में मेजर जनरल आर प्रेमराज, ब्रिग्रेडियर वीएम चौधरी, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, एसएसपी श्वेता चौबे, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ओपी फर्सवाण, एएसपी जया बलोनी, एडीएम ईला गिरी, नगर आयुक्त वैभव गुप्ता, एसडीएम सोहन सिंह सैनी शामिल रहे।

विस अध्यक्ष ने शहीद गौतम को पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

शहीद गौतम कुमार को प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूडी भूषण श्रद्धांजलि देते हुए।

कोटद्वार : प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने जम्मू कश्मीर के राजौरी पुंछ सेक्टर के आतंकी हमले में शहीद हुए कोटद्वार के शिवपुर निवासी वीर शहीद गौतम कुमार के पार्थिव शरीर पर उनके आवास पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में मां भारती की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले उत्तराखण्ड के वीर कोटद्वार निवासी राइफलमैन गौतम कुमार हमेशा देश को याद रहेंगे। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनका बलिदान सदैव हम सभी को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहीद लांस नायक धनवीर सिंह राणा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कण्वघाटी में पीएम श्री कार्यक्रम के अंतर्गत करियर एण्ड गाइडेंस काउंसलिंग कार्यक्रम में दस विषय विशेषज्ञों ने अपने विषय से सम्बन्धित क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनाओं पर कक्षा-9,10,11,12 की छात्राओं से विस्तार में चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या श्रीमती पुष्पा धस्माना, बीईएल के जीएम विश्वेश्वर कुच्चा, एजीएम रवीन्द्र नाथ पाण्डेय, सेवायोजन अधिकारी श्रीमती ममता चौहान नेगी, डॉ. अजय सिंह नेगी, डॉ. अलका नेगी, डॉ. विजय राणा, गुरुरामराय पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरीश उनियाल, नरेश थपलियाल, अम्बेश पंत ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग के क्षेत्र की सम्भावनाओं पर बीईएल कोटद्वार के जीएम विश्वेश्वर कुच्चा, एजीएम रवीन्द्र नाथ पाण्डेय ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित कर गणित, फिजिक्स आदि विषयों का गहन अध्ययन करना चाहिए। तब आपको लक्ष्य प्राप्ति में कोई नहीं रोक सकता। सेवा योजन अधिकारी ने

अपनी योग्यता के अनुसार करियर चुनने, किसी दूसरे को देखकर विषयों का चयन न करने की बात कही। डॉ. अजय सिंह नेगी, डॉ. अलका नेगी, डॉ. विजय राणा ने चिकित्सा के क्षेत्र में डाक्टर बनने के अतिरिक्त अन्य चिकित्सा संबंधी व्यवसायों की जानकारी दी।

डॉ. गिरीश उनियाल ने श्री गुरुरामराय पैरामेडिकल कॉलेज में चल रहे व्यवसायों की जानकारी दी। विद्यालय की शिक्षा विकास समिति की सदस्या श्रीमती आभा डबराल ने कहा कि छात्राओं के हित में ऐसे कार्यक्रम करना सरकार की बहुत अच्छी पहल है, ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजु कपरवाण ने किया। कार्यक्रम में श्रीमती उषा रावत, किरन जागरवाल, शिवेत्री सिंह, विनीता जोशी, सुमन लता, सावित्री रावत, वीना शर्मा, ऋतु थपलियाल, भावना पाण्डे, अर्चना कण्डवाल, हेमलता बडोला, दुर्गेश पंवार, अलका लिंगवाल, पीटीए कोषाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश जखमोला, श्रीमती आशा देवी अध्यक्षा पीटीए, श्रीमती रेखा देवी अध्यक्षा एसएमसी, कल्पना लखेड़ा, श्रीमती रोशनी देवी, अहसान श्रीमती सुनीता देवी आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया क्रिसमस का त्यौहार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/पौड़ी : ईसा मसीह का जन्म दिवस क्रिसमस का पर्व धूमधाम से मनाया गया। साथ ही एक दूसरे को क्रिसमस पर्व की बधाई दी। बाजार में सांता क्लॉज के कपड़े लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। क्रिसमस का त्योहार शहर में धूमधाम से मनाया गया। कोटद्वार एवं पौड़ी शहर में स्थित गिरजाघरों में इसाई समाज के लोगों ने प्रार्थना कर क्रिसमस का त्यौहार मनाया। शहर के अपर चोपड़ा में स्थित मैथोडिस्ट चर्च में पास्टर हरीश कुमार, गड़ोली में पास्टर सतीश मैथ्यूज, मांडाखाल में माइकलमणि, प्रार्थना भवन में एसबी मौसेस, एसेंबली आफ बिलीवर्स चर्च इन इंडिया में राजीव मैक्टन ने प्रार्थना सभाए करवाई। बता दें कि 25 दिसंबर का दिन ईसाई धर्म के लोगों के लिए बहुत खास होता है। माना जाता है कि इस दिन प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था। प्रभु यीशु मसीह ने लोगों को प्यार से रहना सिखाया था।

जयंती पर पेशावर कांड के महानायक वीरचंद्र सिंह गढ़वाली को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महानगर कांग्रेस कमेटी कोटद्वार द्वारा पेशावर कांड के महानायक वीरचंद्र सिंह गढ़वाली की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ता तहसील में एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने वीर सपूत शहीद गौतम कुमार के बलिदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी कोटद्वार के अध्यक्ष संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विजय रावत, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र बिष्ट, सेवादल के महानगर अध्यक्ष महावीर रावत, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव बृजपाल सिंह नेगी, प्रकाश लखेड़ा, साबर सिंह नेगी, सरदार महेंद्र सिंह सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेशावर कांड के महानायक वीरचंद्र सिंह गढ़वाली को श्रद्धाजंलि देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता।

धूमधाम से मनाया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कालेज द्वारीखाल में विद्यालय का वार्षिकोत्सव खुचकंडी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जन समुदाय का मन मोह लिया। मौके पर विद्यालय की दो पूर्व छात्राओं का चयन राजस्व निरीक्षक के पद पर होने पर उनको सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने पर विद्यालय शिक्षकों सहित बोर्ड परीक्षा के टापरों को भी सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव का आरंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य कुल्हाड़ कुलभूषण सिंह, विशिष्ट अतिथि क्षेपंस दिउसा राजमोहन नेगी, एसएमसी अध्यक्ष कमल उनियाल, खंड शिक्षा अधिकारी डा. सुरेंद्र सिंह नेगी व प्रधानाचार्य रमाकांत डबराल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात विद्यालय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम खुचकंडी के संबध में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने थड़िया, खोल दे माता.., डाली-डाली फूलों की.., सहित अन्य गढ़वाली गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सहित अभिभावक मौजूद रहे।

सुशासन दिवस के रूप में मनाई अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर भाजपा मंडल श्रीनगर के प्रत्येक बूथों पर अटल बिहारी वाजपेयी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। सोमवार को श्रीनगर मंडल स्थित भाजपा कार्यलय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 99वीं जयंती पर उन्हें याद कर श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संपत सिंह रावत ने कहा कि भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सदैव अटल रहने वाले प्रखर वक्ता थे और उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। कहा कि उन्होंने राजनीति में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र रावत, दिनेश पटवाल सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बिडला परिसर में पुस्तक प्रदर्शनी आज से

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर के केंद्रीय पुस्तकालय में आज (मंगलवार) से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

गढ़वाल विवि के केंद्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राणा ने बताया कि गढ़वाल विवि के बिड़ला परिसर की केंद्रीय पुस्तकालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी 26 दिसंबर से शुरू होगी। जिसका शुभारंभ गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस मौके पर विश्वविद्यालय प्राध्यापकों द्वारा प्रकाशित नवीनतम पुस्तकों का विमोचन के साथ-साथ पुस्तकालय वेबसाइट का भी लोकार्पण किया जायेगा। डॉ. एमएस राणा ने बताया कि पुस्तक प्रदर्शनी में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 50 से अधिक प्रकाशकों द्वारा अपनी नवीनतम संस्करणों की पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई जायेगी। उन्होंने विवि के प्रध्यापकों, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रर्दशनी का लाभ उठाने के लिए कहा हैं। (एजेंसी)

चमोला को मिला मदन मोहन मालवीय स्मृति सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय इन्टर कॉलेज सुमाडी में हिन्दी के अध्यापक राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित अखिलेश चन्द्र चमोला को मदन मोहन मालवीय स्मृति सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें स्वतंत्रता सेनानी वैद्य केशो राम मेमोरियल सोसायटी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय व अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, डॉ. एके जैन और सामाजिक कार्यकर्ता सेठपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले सख्शियतों को सम्मानित किया। (एजेंसी)

पीपल और बड़ के पौधें रोपे

श्रीनगर गढ़वाल : सिद्धपीठ धारी देवी मंदिर के पास अलकनंदा नदी किनारे बसे महर गांव में तुलसी दिवस एवं शिव चतुर्दशी के अवसर पर औषधीय एवं देव वृक्षों का रोपण किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों ने पीपल, बड़ के वृक्षों का रोपण किया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि 1980 के दसक में आई विरही में महर गांव में मोडी स्थान पर स्थित मोडी महादेव का मंदिर बह गया था। कहा कि उस स्थान पर ग्रामीणों ने अलकनंदा नदी किनारे साफ-सफाई कर मंदिर वाले स्थान पर प्रतीक के रूप में ध्वज लगाया। इस मौके पर ग्रामीणों द्वारा मोड़ी महादेव मंदिर की पुनः स्थापना करने पर विचार किया गया। इस मौके पर जसवंत सिंह पुण्डीर, इशान, अनुज, नवीन, रिशव सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

300 जरूरतमंद लोगों को वितरित किए कंबल

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : एकेश्वर ब्लॉक में स्थित ठाकुर सुंदर सिंह चौहान वृद्ध आश्रम द्वारा जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित कार्यक्रम का आयोजन मलेठी स्थित चौहान स्टोन क्रेशर में आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा माधो सिंह भण्डारी नाटक, थड़िया, चौफाला सहित अनेक संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति किए गए।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी, वृद्ध आश्रम के संस्थापक सुंदर सिंह चौहान, बंधु वर्ग सेवा समिति अध्यक्षा श्रीमती माया देवी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया। कार्यक्रम में सभी उपस्थित अतिथियों को फूल माला और शाल ओढ़कर सम्मानित किया गया। सुंदर सिंह चौहान द्वारा अपने पौत्र पृथ्वीराज चौहान के जन्मदिन पर विगत कई वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर क्षेत्र के करीब 300 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में 80 वर्षीय बुजुर्ग रणवीर सिंह रावत ने लोगों को योग के माध्यम से जीवन को निरोग बनाने को लेकर योग की जानकारी दी गई। ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी ने कहा कि जिस तरह से सुंदर सिंह चौहान द्वारा इस प्रकार जरूरतमंदों की सहायता और सेवा की जाती है उसकी जितनी सराहना की जाय कम ही कम है। कहा कि उनसे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर सुंदर सिंह चौहान, प्रताप सिंह नेगी, हेमचंद्र केष्टवाल प्रधानाचार्या इन्टर कालेज सतपुली, उम्मेद सिंह रावत, मंगल सिंह नेगी, मनोहर पहाड़ी, रणधीर सिंह रावत, राजेन्द्र नैथानी, त्रिलोक सिंह नेगी, गंगा सिंह बिष्ट, सोनी देवी चौहान, मीना लिंगवाल, त्रिलोक चौहान, जितेंद्र चौहान सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राजकमल नेगी ने किया।

ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी जरूरतमंद को कंबल बांटते हुए।

दुगडडा बाजार में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने प्रमुख द्वारीखाल महेन्द्र सिंह राणा का किया भव्य स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार दुगडडा बाजार पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ब्लाक प्रमुख द्वारीखाल महेन्द्र सिंह राणा का ढोल नगाडो, फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया।

सोमवार को महेन्द्र राणा के दुगडडा बाजार पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने ढोल नगाडों के साथ मोती बाजार, रामलीला बाजार, सुभाष बाजार, कमला नेहरू मार्ग आदि स्थानों पर भव्य रैली निकाली। रैली में महिलाओं एवं कार्यकर्ताओं ने बडी संख्या में प्रतिभाग किया। सभी कार्यकर्ताओं ने महेन्द्र सिंह राणा के भाजपा में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रमुख श्री राणा

राणा के पार्टी में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी

के पार्टी में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

प्रमुख महेंद्र राणा ने कहा कि मुझे भी राष्ट्रीय पार्टी में शामिल होकर गर्व का अनुभव हो रहा है। सोमवार को भारत रत्न से अंलकृत पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर दुगड्डा चौराहे में प्रमुख राणा एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्वांजलि दी। इस अवसर पर निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष भावना चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष बृजमोहन उनियाल, पूर्व सभासद संजय अग्रवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपा रावत, शिखर अग्रवाल, पूर्व प्रधान महिला समूह की अध्यक्षा उमा देवी, पूर्व सभासद रामेश्वरी देवी, इन्द्र राणा, रेखा देवी, प्रमोद अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, प्रीतम सिंह, देवेन्द्र अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, गौरव सिंह, अमन राणा, दिव्यांशु अग्रवाल, अंकुश जुयाल, योगेश्वर रावत, रजत अग्रवाल, मोहित उनियाल, भूषण अग्रवाल, गुणा खर्कवाल, जितेन्द्र खर्कवाल, ममता देवी आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉक्टरों के छुट्टी पर रहने से बढ़ी दिक्कतें

अल्मोड़ा(सं)। जिला अस्पताल में ईएनटी सर्जन व बाल रोग व एक हड्डी रोग विशेषज्ञ पहले से ही छुट्टी पर चल रहे हैं। सोमवार को दूसरे हड्डी रोग विशेषज्ञ व चर्म रोग विशेषज्ञ भी छुट्टी पर चले गए। डॉक्टरों के छुट्टी पर जाने से अस्पताल की व्यवस्थाएं पटरी से उतर गई। अवकाश के चलते अस्पताल आधे दिन तक ही खुला रहा, लेकिन अवकाश के बावजूद भी अस्पताल में सोमवार को 80 से अधिक ओपीडी हुई। इसमें नाक, कान, गला, हड्डी रोग आदि के मरीज पहुंचे थे। डॉक्टरों के नहीं होने से मरीजों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ी। इलाज के लिए अस्पताल में आए मरीज काफी परेशान दिखाई दिए। डॉक्टरों के नहीं होने से उन्हें इलाज के लिए अधिक पैसा खर्च कर निजी अस्पतालों की शरण लेनी पड़ी। वहीं बेस व महिला में अल्ट्रासाउंड नहीं होने से अवकाश के बावजूद काफी संख्या में मरीज पहुंचे।

मंदिर का दानपात्र तोड़ चोरी का प्रयास

अल्मोड़ा(सं)। नगर के लोअर माल रोड में लॉ फेकल्टी के निकट शनि मंदिर का एक युवक ने दान पात्र तोड़ने का असफल प्रयास किया। जैसे ही रात खटपट की आवाज सुनी, तो करीब ही अपने आवास पर रह रहे भुवन भास्कर सिंह राठौर ने युवक को दबोचने का प्रयास किया, लेकिन वह अंधेरे का फायदा उठाकर रफूचक्कर हो गया। यह दूसरा मौका है जब इस मंदिर के दान पात्र को तोड़ने का प्रयास हुआ। शनिवार रात करीब 2 बजे एक अज्ञात युवक शनि मंदिर पहुंचा, जहां पर उसने मंदिर के दान पात्र को तोड़ने की कोशिश की। इतने में आवाज सुनकर करीब से ही पूर्व ग्राम प्रधान भुवन भास्कर राठौर उठकर बाहर निकले और उन्होंने युवक को दानपात्र तोड़ने का प्रयास करते पाया। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने उस युवक को पकड़ने की कोशिश की, तो भाग निकलने में सफल हो गया।

अल्मोड़ा के शटलर चिराग सेन ने जीता सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप एकल वर्ग का खिताब

अल्मोड़ा(सं)। शटलर चिराग सेन ने असम, गुवाहाटी में आयोजित 85वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया है।

खिताबी मुकाबले में चिराग ने थारुन एम को मात दी। मूल रूप से अल्मोड़ा, उत्तराखंड के 25 वर्षीय चिराग को फाइनल में थारुन एम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। लेकिन आखिर में वह इस मुकाबले को 21–14, 13–21, 21–9 से जीतने में सफल रहे।

इससे पहले चिराग सेन ने दूसरी वरीयता के किरण जॉर्ज को सेमीफाइनल में हराकर 85वीं राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया था। चिराग ने किरण को 21–18, 21–18 से पराजित किया था। चिराग राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन के बड़े भाई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर अल्मोड़ा के जनप्रतिनिधियों, खेलप्रेमियों समेत अन्य लोगों ने हर्ष जताया है और उन्हें बधाई प्रेषित की है।

सोमेश्वर में एआरटीओ ने टैक्सी यूनियन के साथ बैठक कर दिए दिशा निर्देश

अल्मोड़ा(सं)। एआरटीओ अल्मोड़ा ने सोमेश्वर में टैक्सी यूनियन के सदस्यों के साथ एक बैठक आयोजित की। जिसमें उन्होंने टैक्सी चालकों और संचालकों को यातायात के नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

एआरटीओ पवन कुमार ने टैक्सी चालकों को नशापान कर वाहन नहीं चलाने, निर्धारित सवारियां बैठाने, ओवरलोडिंग और ओवर स्पीडिंग नहीं करने, सीट बेल्ट लगाने, बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखने आदि के निर्देश दिए। इस मौके पर टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों ने टैक्सी संचालन से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया। बैठक में यूनियन अध्यक्ष चन्दन वर्मा, राजेंद्र नयाल, रमेश बोरा, लक्ष्मण सिंह मेहरा, आनंद सिंह रावत, अनिल सिंह, लाल सिंह सहित अनेक चालक एवं वाहन स्वामी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में धौलादेवी के कराटे खिलाडियों का सराहनीय प्रदर्शन

अल्मोड़ा(सं)। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ कराटे प्रतियोगिता में अल्मोड़ा जनपद के खिलाड़ियों ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 04 रजत व 9 कांस्य पदक अर्जित किए। खेल प्रशिक्षक धौलादेवी हरीश सिंह चौहान ने बताया कि धौलादेवी के कराटे खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में सुंदर भट्ट ने अपने भार वर्ग में रजत पदक जीता। वहीं बबिता जोशी, रीता आर्या, दीपक भट्ट ने कांस्य पदक जीते। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य और उत्तराखंड कराटे एसोसिएशन के महासचिव संजीव कुमार, जिला कराटे एसोसिएशन अल्मोड़ा, जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रशांत कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी अरुण बंग्याल, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अशोक कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना की।

नारी शक्ति की परिवार और समाज को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका

नई टिहरी : राष्ट्र सेविका समिति टिहरी की ओर से शक्ति जागरण अभियान कार्यक्रम में परिवार और समाज को संस्कारवान बनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि विदेशी संस्कृति के कारण हमारे नाते रिश्ते धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं, जिन्हें रोकने के लिये सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। सोमवार को नई टिहरी प्रेस क्लब सभागार में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा शक्ति जागरण अभियान कार्यक्रम का आरएसएस विभाग प्रचारक पारस ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की परिवार और समाज को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका होती है, समाज से ही उन्नत राष्ट्र निर्माण का निर्माण होता है। उन्होंने नारी शक्ति से भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने और अपनी संस्कृति बचाने का आह्वान किया। कहा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में नव निर्मित मंदिर में भगवान राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाऐगी,जिसके तहत 1 से 15 जनवरी तक घर–घर में राम मंदिर से पूजित अक्षत पहुंचाऐ जाऐंगे साथ ही एक पत्रक और भगवान राम का चित्र दिया जाऐगा। उन्होंने सभी लोगों से सहयोग का आह्वान किया गया है। कहा 22 जनवरी को प्रत्येक परिवार अपने घर पर 5 दीपक जलाये साथ ही भजन, पूजा, पाठ, जाप आदि भी करें। राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत कार्यकाहिका भावना त्यागी ने कहा परिवार में मां का दर्जा सबसे ऊपर है, मां अपने बच्चों को जैसे संस्कार देगी बच्चें उसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नारी शक्ति से अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने और समाज में फैली कुरुतियों को दूर करने को कहा। समिति की ओर से वक्ताओं को तुलसी का पौधा भी भेंट किया गया। मौके पर जिला कार्यकाहिका नीलम रतूड़ी,डॉ. आशा डोभाल, जाखणीधार ब्लॉक प्रमुख सुनीता देवी, वर्तिका उनियाल, विमला खंणका, तनुजा बडोनी, निवेदिता परमार, सुषमा बहुगुणा, उषा मिंया, कुसुम भट्ट, उर्मिला राणा, लीला मखलोगा, बीडी कुनियाल, रविन्द्र सेमवाल, संजीव भट्ट, राजेश्वर बडोनी आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

माता अनसूया का दो दिवसीय मेला शुरू

चमोली : संतान दायिनी शक्ति शिरोमणि माता अनसूया का दो दिवसीय मेला विधि विधान व पूजा-पाठ के साथ सोमवार को शुरू हो गया। राज्यमंत्री चण्डी प्रसाद भट्ट एवं बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने मेले का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर क्षेत्र की सभी देवियों डोलियां भी सती मां अनसूया के दरवार पहुंची। मां अनसूया मंदिर में दत्तात्रेय जयंती पर सम्पूर्ण भारत से हर वर्ष निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुँचते है। जिला प्रशासन ने मेले के दौरान पूरे पैदल मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए है। विदित हो कि पौराणिक काल से दत्तात्रेय जयंती पर हर वर्ष सती माता अनसूया में दो दिवसीय मेला लगता है। मां अनुसूया मेले में निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंचते है। मान्यता है कि मां के दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। मां सबकी झोली भरती है। इसलिए निसंतान दंपत्ति पूरी रात जागकर मां की पूजा अर्चना कर करते है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में जप और यज्ञ करने वालों को संतान की प्राप्ति होती है। इसी मान्यताओं के अनुसार, इसी स्थान पर माता अनुसूया ने अपने तप के बल पर त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और शंकर) को शिशु रूप में परिवर्तित कर पालने में खेलने पर मजबूर कर दिया था। बाद में काफी तपस्या के बाद त्रिदेवों को पुनः उनका रूप प्रदान किया और फिर यहीं तीन मुख वाले दत्तात्रेय का जन्म हुआ। इसी के बाद से यहां संतान की कामना को लेकर लोग आते हैं। यहां दत्तात्रेय मंदिर की स्थापना भी की गई है।

सरकारी मशीनरी का किया जा रहा दुरूपयोग : राणा

नई टिहरी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 26 दिसंबर को (आज) जिला मुख्यालय नई टिहरी में आगमन कार्यक्रम के लिए सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग करने का आरोप कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश राणा ने लगाया। मीडिया को जारी बयान में राकेश राणा ने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम करने को मजबूर किया जा रहा है। रोड शो और आम सभा के नाम पर रूपये पानी की तरह से बहाए जा रहे है।

पूर्व पीएम वाजपेयी को पुष्पांजलि अर्पित की

चमोली : देवतोली में नगर भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भाजपाइयों ने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान नगर अध्यक्ष सुभाष चमोली, उपाध्यक्ष आलम सिंह पंवार, एपी गौड़, सरोज हटवाल, नवीन पुजारी, कैलाश चंद्र, अनुज सेमवाल, गणेश सेमवाल, जीवन पुरोहित, लक्ष्मी जोशी, दीपा भट्ट, चंदा राणा, संपूर्णानंद डिमरी, अनुज डिमरी, मनोरमा नेनवाल, संध्या चंदोला, वंदना बिष्ट, मंजू मैखुरी, मधु रावत, अरुण सेमवाल आदि शामिल थे। (एजेंसी)

सिमली गांव के लिए जल्द बनेगी सड़क

चमोली : विकासखंड का सिमली गांव जल्द सड़क से जुड़ सकेगा। गांव के लिए करीब एक किमी. सड़क की स्वीकृति मिली है। करीब 18 लाख से बनने वाली इस सड़क के लिए सोमवार को विधायक अनिल नौटियाल ने विभागीय अधिकारियों और ग्रामीणों के साथ भूमि पूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि प्रदेश के अधिकतर गांवों को सड़क से जोड़ दिया गया है।

जहां अभी सड़क नहीं बनी वहां के लिए सड़कों की स्वीकृति प्रदेश और केंद्र सरकारों से मिल चुकी है। जल्द ही उन सड़कों पर भी काम शुरू कर दिया जाएगा। सिमली गांव निवासी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि लंबे समय से ग्रामीण गांव को सड़क से जोड़ने की मांग कर रहे थे।

नेगी ने प्रदेश सरकार और विधायक का आभार जताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विनोद कुमार सिंह नेगी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य समीर मिश्रा, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विक्रम मिंगवाल, पूर्व जिपंस गायत्री नेगी, धीरेंद्र भंडारी, गंभीर मियां आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

पुण्यतिथि पर नशामुक्ति मंच संस्थापक स्व. बिष्ट को किया याद

नई टिहरी : नशामुक्ति मंच के संस्थापक स्व. चंद्र सिंह बिष्ट की 5वीं पुण्य तिथि पर घनसाली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने स्व. बिष्ट को याद करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। नशामुक्ति के लिए उल्लेखनीय कार्य करने पर विधायक शक्तिलाल शाह, लोक जीवन विकास भारती के संस्थापक स्व. बिहारीलाल, शिक्षाविद स्व. डॉ. वाचस्पति मैठाणी, ब्रह्मकुमारी विवि के गढ़वाल विंग निदेशक मेहरचंद व ब्रह्मकुमारी अनिता बहन को सम्मानित किया गया।

सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज घनसाली में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने स्व. बिष्ट को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि आनंद बिष्ट ने कहा कि स्व. चंद्र सिंह बिष्ट ने समाज में नशे की प्रवृति के उन्मूलन के लिए गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया तथा शादी व अन्य समारोहों में शराब के प्रचलन पर रोक लगाने की लोगों से अंतिम समय तक जागरूक करते रहे।

जयंती पर भाजपाइयों ने अटल को किया याद

नई टिहरी : भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय ने भाजपाइयों ने एकत्र होकर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर गोष्ठी का आयोजन किया। इस मौके पर स्व. अटल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सोमवार को भाजपा के जिला कार्यालय में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर आयोजित की गई गोष्ठी में टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि वाजेपेयी ने देश के प्रधानमंत्री रहते हुए देश को दिशा देने का काम किया। भाजपा संगठन के लिए उन्होंने ऐसी राह बनाई है कि आज भाजपा देश में प्रचंड बहुमत में आगे बढ़ रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि पूर्व पीएम मोदी ने देश के विकास में अग्रणी निर्णयों को लेने के लिए हमेशा याद किये जाते रहेंगे। कवि होने के साथ ही पत्रकार व राजनेता के रूप में उन्होंने अनुकरणीय कामों को अंजाम दिया। जिससे आज प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र जुयाल और उदय रावत, नई टिहरी के मंडल अध्यक्ष गोपीराम चमोली, शीशराम थपलियाल, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, खेम सिंह चौहान, देवेंद्र बेलवाल, जयेंद्र पंवार, विजय कठैत, विनीत उनियाल, भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी डा. प्रमोद उनियाल, अल्पसंख्यक मोर्चे के जिलाध्यक्ष तौफिक अहमद, अनिता कंडियाल, लक्ष्मी रावत, नीरज गिरी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

प्रेमवल्लभ अध्यक्ष और कंचन बनी महासचिव

चमोली : तलवाड़ी विकास संघर्ष समिति की बैठक पंचायत भवन तलवाड़ी में पूर्व प्रधान गोपाल सिंह फर्शवाण की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व समिति से ग्राम प्रधान सेरा विजयपुर प्रेम बल्लभ शर्मा को अध्यक्ष, प्रधान तलवाड़ी खालसा कुंवर सिंह रौथान को उपाध्यक्ष, बिलीवर हैजटेक फाउंडेशन की संस्थापक कंचन रावत को महासचिव, रमेश चंद्र सती को कोषाध्यक्ष व पूर्व शिक्षक महिपाल सिंह बिष्ट को संरक्षक चुना गया है। इस मौके पर संघर्ष समिति के नए सदस्यों को जिम्मेदारी देते हुए क्षेत्र में अवरुद्ध विकास कार्यों पर गति लाने के लिए सरकार से सामंजस्य बनाकर पूरा करने के लिए संघर्ष करने की शपथ ली गई। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रेम बल्लभ शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए चारों ग्राम सभा के लोग एकजुट होकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर मेहरवान सिंह बिष्ट,गंगा सिंह बिष्ट, प्रधान तलवाड़ी स्टेट दीपा देवी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य खिलाफ सिंह रावत, राजपाल बिष्ट, दर्शन सिंह रावत, सौरभ चौहान, खिलाफ सिंह रावत, त्रिलोक सिंह बिष्ट, आनंद सिंह बिष्ट आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। (एजेंसी)

पूर्व प्रधान मंत्री वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

नई टिहरी : पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को आगराखाल और गजा में सुशासन दिवस के रुप में मनाया गया। दोनों कस्बों के स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों ने पूर्व प्रधान मंत्री के चित्र पर पुष्प चढ़कर उन्हें श्रद्धा सुमन अपूर्ति किये। गजा नपं की निवर्तमान अध्यक्ष मीना खाती कहा कि अटल बहारी वाजपेयी को युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा। गजा मंडलध्यक्ष रतन सिंह रावत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जनसंघ संस्थापक रहे हैं, उनका पार्टी को आगे बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा है। आगराखाल व्यापार मंडल अध्यक्ष डीएन रतूड़ी ने कहा कि पूर्व प्रधान मंत्री कुशल व्यक्तित्व के धनी थे, देश हित में उनमें कठोर निर्णय लेने की क्षमता थी।

सम्पादकीय

अब ठोस फैसले का समय

उत्तराखंड के गठन के साथ ही जिन महत्वपूर्ण कार्यों को जिन महत्वपूर्ण मुद्दों को धरातल पर उतरना चाहिए था उन पर हमारे पूर्व की सरकार है कसौटियों पर खड़ी नहीं उतरी। राज्य को विकास की गति के नाम पर ले जाने के जो दावे किए गए उनमें न केवल सरकार विफल साबित हुई बल्कि जिस प्रकार से प्रदेश में बाहरी लोगों की घुसपैठ देखने को मिली उसने प्रदेश का सामाजिक संतुलन ही बिगाड़ कर रख दिया। राज्य गठन के बाद से ही मूल निवास एवं सशक्त भू कानून को लेकर विभिन्न संगठन आवाज उठाते रहे लेकिन उत्तराखंड के 23 साल के कार्यकाल में इन दोनों ही मुद्दों को ठंडे बस्ते में रखा गया। अब जब पानी सर से ऊपर उठने लगा तो प्रदेश के लोग भी समझ गए कि यदि ऐसा ही सब चलता रहा तो आने वाले दिनों में उत्तराखंड के लोग अपने ही प्रदेश में अपना अस्तित्व तलाशते फिरेंगे। मूल निवास एवं भू कानून को लेकर राजधानी देहरादून की सड़कों पर सैलाब उमराने से पहले राज्य सरकार ने मूल निवास के मसले पर समिति बनाने की घोषणा की लेकिन इससे आंदोलन पर कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि इससे पूर्व भी प्रदेश ऐसी कई समितियों एवम आयोगों का यह प्रपंच देखता हुआ आया है। आज प्रदेश के अंदर जिस प्रकार से जमीनों की खरीद फरोख्त हो रही है और बड़े पैमाने पर रेवड़ियों के भाव से प्रभावशाली लोगों को जमीन आवंटित कर दी गई वह काफी चिंताजनक है और पूर्व की सरकारों पर सवाल खड़े करता है। उत्तराखंड में सशक्त भू कानून की मांग पिछले 23 वर्षों से उठ रही है और यह प्रदेश के हित के लिए जरूरी भी है। जब प्रदेश का गठन हुआ था तो उसे वक्त अनुमान लगाया गया था कि राज्य में भू कानून लागू करने से यहां औद्योगिक विकास पर प्रभाव पड़ेगा लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत और यहां की जमीनों पर बाहरी लोगों की खरीद फरोख्त बेरोकटोक बड़े पैमाने पर होती चली गई। उत्तराखंड के पहाड़ो तक में स्थिति इस प्रकार से बिगड़ गई की वहां के मूल निवासियों को अपनी जमीन बेचना ज्यादा आसान लगा वनस्पति इसके की वहां वे विभिन्न योजनाओं से रोजगार के साधन सृजित करते। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस समस्या को भागते हुए गत वर्ष उत्तराखंड में अमल में लाया जा रहा "उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश और भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950" पर हुए संशोधनों के अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए समिति का गठन किया जिसने 23 संस्कृतियों के साथ सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। समिति की इसी रिपोर्ट के आधार पर अब सरकार ने इसका गहन अध्ययन करने के लिए प्रारूप समिति का गठन किया है लेकिन ऐसी समितियां के परिणाम को लेकर प्रदेश के लोगों अब अधिक प्रभावित नहीं हैं। स्पष्ट है कि अगले वर्ष लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर सभी दल कमर कर चुके हैं और कहीं ना कहीं इस मुद्दे को विपक्ष प्रमुखता से जनता के बीच लेकर जाएगा। कानून एवं मूल निवास के मुद्दे पर पिछली सरकारों की गलतियां अब नासूर बन गई है जो प्रदेश के लोगों के लिए भविष्य में एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ सकती है। लिहाजा अब तो यह बेहद आवश्यक है कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व वाली सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से निर्णय ले और इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दे पर सीधे स्वीकृति की मोहर लगाई जाए।

भारत में कार्यपालिका की सर्वोच्चता

अजीत द्विवेदी

सैद्धांतिक रूप से भारत में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिक को समान रूप से लोकतंत्र के तीन स्तम्भों के रूप में रेखांकित किया गया है। शक्तियों के पृथक्करण सिद्धांत के तहत तीनों अंगों के कार्यों का बंटवारा किया गया है और उनके अधिकार तय किए गए हैं। संविधान के मुताबिक तीनों को अपने अपने अधिकार क्षेत्र के दायरे में रह कर काम करना चाहिए और उसका अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। लेकिन व्यावहारिक रूप में ऐसा नहीं है। व्यावहारिक रूप से भारत में कार्यपालिका की भूमिका सर्वोच्च है और यह स्थिति आजादी के बाद से ही है। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में भी कार्यपालिका ही सर्वोच्च थी और आज भी है। फर्क सिर्फ इतना है कि समय के साथ साथ कार्यपालिका की शक्तियां बढ़ती गई हैं और विधायिका की शक्तियां कम होती गई हैं। न्यायपालिका ने जजों की नियुक्ति की अपनी व्यवस्था बना कर कुछ हद तक अपने को स्वायत्त रखा है लेकिन कार्यपालिका के अति शक्तिशाली होते जाने से न्यायपालिका पर भी दबाव बढ़ रहा है। जजों की नियुक्ति और तबादलों में आ रही दिक्कतों के साथ साथ न्यायपालिका के कई फैसलों पर अमल संबंधी दिक्कतें भी आई हैं और वह इसलिए क्योंकि न्यायपलिका के फैसले पर भी अमल कार्यपालिका को ही करना है।

बहरहाल, भारत में कार्यपालिका के शक्तिशाली होते जाने के कई कारण हैं, जिनमें से मुख्य कारण मौजूदा शासन प्रणाली है, जिसमें कार्यपालिका को ही विधायिका के संचालन की जिम्मेदारी मिली हुई है। केंद्र में जो सरकार में होता है वही संसद का संचालन करता है और राज्यों में जिसकी सरकार होती है वह विधानसभाओं का संचालन करता है। संसद और विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारी बहुमत वाली पार्टियों के होते हैं, पार्टी आलाकमान की कृपा से चुने जाते हैं और संसदीय कार्य मंत्रियों की सलाह से काम करते हैं। सभी संस्थाओं में नियुक्ति से लेकर सेवा की शर्तें तय करने और वेतन, पेंशन आदि का अधिकार सरकारों के हाथ में होता है। तमाम संवैधानिक संस्थाएं भी सरकार के खूंटे से बंधी हैं और सभी जांच एजेंसियां प्रत्यक्ष रूप से सरकार के नियंत्रण में काम करती हैं। अगर किसी को लगता है कि संवैधानिक व वैधानिक संस्थाएं स्वायत्त होकर काम करती हैं तो वह मूर्खों के स्वर्ग में रहता है। असल में कार्यपालिका के शीर्ष पर विराजमान व्यक्ति निजी तौर पर कैसी सोच का है और वह संस्थाओं को कितनी स्वायत्ता देना चाहता है वह महत्वपूर्ण होता है। कार्यपालिका के मजबूत होने का एक कारण राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की लगभग पूरी तरह गैरमौजूदगी भी है। पार्टियों में आलाकमान की संस्कृति

भारत में इतनी मजबूत है कि शीर्ष पर बैठे नेता की मर्जी के बगैर पत्ता भी नहीं हिल सकता है।

तभी आज तक भारत में यह देखने को नहीं मिला है कि सरकार के किसी भी फैसले पर सत्तारूढ़ दल में से किसी ने आवाज उठाई हो। दुनिया के सभ्य और परिपक्व लोकतंत्र वाले देशों में अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि सत्तारूढ़ पार्टियों के नेता अपनी सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हैं। विधायिका के अंदर सरकार के लाए विधेयकों का वस्तुनिष्ठ आधार पर विरोध करते हैं और कई बार अपनी ही सरकार के विधेयक को विफल करा देते हैं क्योंकि वे सरकार के प्रति नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं। ऐसा करने के बावजूद उनके ऊपर अनुशासनहीनता की कार्रवाई नहीं होती है। इसके उलट भारत में अपवाद के लिए ही शायद कभी ऐसा हुआ होगा कि सरकार की ओर से लाए गए किसी विधेयक पर सत्तापक्ष के किसी सांसद या विधायक ने विधायिका के अंदर विरोध की आवाज उठाई हो। अगर किसी ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सवाल उठाया भी तो उसके खिलाफ अनिवार्य रूप से कार्रवाई हुई होगी।

सोचें, जब संसद या विधानसभाओं में स्वतंत्र रूप से किसी मसले पर बहस नहीं हो सकती है तो विधायिका की स्वायत्तता का क्या मतलब है? असल में यह एक मिथक है कि विधायिका का काम कानून बनाना है। असल में कानून सरकार बनाती है और विधायिका का काम सिर्फ उस पर मुहर लगाना है। महिला आरक्षण सहित कुछ विधेयक जरूर ऐसे रहे हैं, जिन्हें अतीत में सरकारों ने पेश किया लेकिन पास नहीं करा सकीं। लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि वो विधेयक इसलिए पास नहीं हुए क्योंकि सरकारें उन्हें पास कराना नहीं चाहती थीं। भारत में ऐसा संभव ही नहीं है कि सरकार चाहे और वह विधेयक पास न हो। अमेरिका के साथ परमाणु संधि का कानून इसकी मिसाल है। जुलाई 2008 में मनमोहन सिंह सरकार के मुखिया थे और उनकी कांग्रेस पार्टी के पास सिर्फ 145 सांसद थे। 60 सांसदों वाले लेफ्ट मोर्चे ने सरकार से समर्थन वापस से लिया था और बिल का विरोध करने का ऐलान किया था। इसके बावजूद साम, दाम, दंड, भेद के जरिए वह विधेयक पास हुआ था। वह विधेयक, जिसका भाजपा और लेफ्ट दोनों विरोध कर रहे थे, पास हो गया। लेकिन वहीं मनमोहन सिंह महिला आरक्षण बिल पास नहीं करा पाए, जिसका समर्थन भाजपा और लेफ्ट दोनों कर रहे थे! भारत के संसदीय लोकतंत्र की इससे बड़ी हिप्पोक्रेसी कोई नहीं हो सकती है।

बहरहाल, संसद के शीतकालीन सत्र में एक छोटी से खबर आई और सबकी नजरों के सामने से गुजर गई, किसी ने उस पर खास ध्यान नहीं दिया। खबर थी कि भारत सरकार को चालू वित्त वर्ष में अपने कामकाज के लिए अतिरिक्त 56 हजार करोड़ रुपए की जरुरत थी। इसके लिए सरकार ने संसद में प्रस्ताव रखा, जिसे पास कर दिया गया। अब याद करें कुछ दिन पहले अमेरिका को लेकर ऐसी खबर आई थी तो भारत के अखबारों में कैसी सुर्खियां बनी थीं! खबर थी कि 'अमेरिका में गहराया नकदी संकट, संसद ने मंजूरी नहीं दी तो दिवालिया होगा अमेरिका'। असल में अमेरिकी संसद ने जो बाइडेन सरकार को पूरे साल में 31.4 खरब डॉलर का कर्ज लेने की अनुमति दी थी, जिसमें से सरकार 30 खरब डॉलर कर्ज ले चुकी थी। अब उसे कर्ज की सीमा बढ़वानी थी लेकिन अमेरिकी संसद सवाल पूछ रही थी कि आपने पैसे कहां खर्च कर दिए और राष्ट्रपति को जवाब देते नहीं बन रहा था। इसके बरक्स यह तथ्य है कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले नौ साल में एक सौ लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया। क्या कभी यह सुनने को मिला की संसद ने पूछा हो कि इतने पैसे कहां खर्च हो रहे हैं? कभी संसद ने कर्ज लेने की सीमा तय की हो? अभी सरकार ने जो 56 हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त लिए उसकी जरुरत क्यों पड़ गई क्या संसद ने यह सवाल पूछा?

असलियत यह है कि भारत में विधायिका की कभी ऐसी हैसियत नहीं रही कि वह देश की चुनी हुई सरकार के कामकाज में अड़ंगा लगा सके और उसे रोक सके। सरकार का फैसला चाहे कितना भी जनविरोधी हो, उसे संसद नहीं रोक सकती है। किसान विरोधी कृषि कानूनों को भी संसद नहीं रोक पाई थी। किसानों के एक साल तक चले आंदोलन की वजह से उसे सरकार को वापस लेना पड़ा था। यह दुर्भाग्य है कि देश में लोकतंत्र और पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए भारत में कोई काम नहीं हुआ। पिछले 75 साल में यहां यह व्यवस्था मजबूत हुई है कि सत्तापक्ष के सांसद या विधायक हर विधेयक का हाथ उठा कर और गले की पूरी ताकत से चिल्ला कर समर्थन करेंगे और विपक्षी सांसद या विधायक उसका विरोध करेंगे। ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि संसद या विधानसभाओं के भीतर सांसद या विधायक पार्टी लाइन से अलग हट कर किसी अच्छे विधेयक का समर्थन करें या खराब विधेयक का विरोध करें।

मार्केट, मंदिर और मंडलः ये हैं आज भाजपा की ताकत

सत्येन्द्र रंजन

इस महीने को दो घटनाओं ने देश के एक बड़े हिस्से में नाउम्मीदी पैदा की है। यह समाज का वो हिस्सा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की कार्य प्रणाली, तथा भारतीय जनता पार्टी और उसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से असहमत है। पहली घटना तीन दिसंबर को हुई, जिस रोज पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव नतीजे आए। इनमें तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की जीत से आबादी के इस हिस्से को तगड़ा झटका लगा। खास कर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की पराजय को लेकर यह तबका एक हद तक आश्वस्त था। राजस्थान में गुजरे तीन दशकों में हर पांच साल में सत्ता बदलने के रिकॉर्ड के बावजूद इस समूह में आशा थी कि संभवतः अशोक गहलोत के करिश्मे से कांग्रेस वहां भाजपा को हराने में सफल हो जाएगी। मगर अब यह साफ है कि ऐसी तमाम उम्मीदें रेत की बुनियाद पर टिकी थीं।

दूसरी घटना 11 दिसंबर को हुई, जिस रोज सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू–कश्मीर को विशेष अधिकार देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार/संसद के कदम पर अपना फैसला सनाया। चूंकि यह कदम संवैधानिक प्रावधान और उसकी भावना का खुला उल्लंघन करते हुए उठाया गया था, इसलिए यह आशा वाजिब थी सर्वोच्च न्यायालय कम–से–कम इस कदम की असंवैधानिकता की चर्चा करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा जिस तरह कोर्ट ने जम्मू–कश्मीर को दो भागों में बांटने और दोनों हिस्सों का दर्जा गिरा कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बेहद अहम मुद्दे पर निर्णय देने से इनकार कर दिया, उससे मायूसी और ज्यादा बढ़ गई।

गुजरे वर्षों में न्यायपालिका का रिकॉर्ड कुछ ऐसा है, जिससे ये धारणा

मानव सभ्यता के इतिहास का तजुर्बा यह है कि हताशा सिर्फ अल्पकालिक नजरिए का परिणाम होती है। जबकि दीर्घकालिक दृष्टिकोण हमें स्थितियों का अधिक गंभीरता से विश्लेषण करने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने की समझ देती है। राजनीति में घटनाएं अक्सर उस तरह स्वतंत्र रूप से घटित नहीं होतीं, जैसा ऊपर से नजर आता है। अगर किसी पार्टी या नेता का उदय या ह्रास होता है, तो उसके पीछे कुछ खास परिघटनाएं काम कर रही होती हैं। उदारवादी लोकतंत्र का किताबों में चाहे जितना महिमामंडन किया गया हो, हकीकत यही है कि यह शासन तंत्र भी शासक वर्गों द्वारा आर्थिक–राजनीतिक सिस्टम को अपने अनुरूप चलाने के मकसद से अस्तित्व लाया गया। सिस्टम की वैधता

बनती चली गई है कि अदालतें अवरोध एवं संतुलन (ष्द्धद्गष्द्म ड्डठ्ठस्त्र ड्ढड्डद्यड्डठ्ठष्द्ग) की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के बजाय वर्तमान केंद्र सरकार की वैचारिक एवं राजनीतिक परियोजनाओं को पूरा करने में सहायक का रोल अदा कर रही हैं। अनुच्छेद 370 संबंधी निर्णय ने इस धारणा को और पुख्ता बना दिया है। तो यह सवाल चर्चित हुआ है कि अगर भाजपा को चुनावों में हराना लगातार कठिन होता जा रहा है और दूसरी तरफ अदालतों से भारतीय संविधान की मूलभूत भावना के अनुरूप न्याय पाना दूभर हो गया है, तो फिर भारत में लोकतंत्र एवं कानून के राज के सिद्धांत के बचे रहने की कितनी उम्मीद की जा सकती है? यह व्यग्रता उचित है। जब कोई रास्ता नजर आता, तो इनसान की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हताशा में चले जाने की होती है। लेकिन क्या सचमुच हमारे सामने हताश होने की स्थिति है?

मानव सभ्यता के इतिहास का तजुर्बा यह है कि हताशा सिर्फ अल्पकालिक नजरिए का परिणाम होती है। जबकि दीर्घकालिक दृष्टिकोण हमें स्थितियों का अधिक गंभीरता से विश्लेषण करने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने की समझ देती है। राजनीति में घटनाएं अक्सर उस तरह स्वतंत्र रूप से घटित नहीं होतीं, जैसा ऊपर से नजर आता है। अगर किसी पार्टी या नेता का उदय या ह्रास होता है, तो उसके पीछे कुछ खास परिघटनाएं काम कर रही होती हैं। उदारवादी लोकतंत्र का किताबों में चाहे जितना महिमामंडन किया गया हो, हकीकत यही है कि यह शासन तंत्र भी शासक वर्गों द्वारा आर्थिक–राजनीतिक सिस्टम को अपने अनुरूप चलाने के मकसद से अस्तित्व लाया गया। सिस्टम की वैधता बनी रहे, इसलिए जनता से निर्वाचन और अवरोध एवं संतुलन की व्यवस्थाएं की गईं। इसे ऐसे कहा जा सकता है कि ऐतिहासिक द्वंद्व के बीच शासक वर्गों ने अपने विशेषाधिकारों पर कुछ समझौता करते हुए इस तंत्र को स्वीकार किया, ताकि वे अपने व्यापक हितों को बचाए रख सकें। लेकिन यह सिस्टम सचमुच– जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा संचालित– हो, ऐसी कोई मिसाल दुनिया में नहीं है। खास कर अगर जनता का मतलब हम श्रमिक वर्ग से समझते हों। दरअसल, राजनीतिक व्यवस्थाओं का विकास–क्रम विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच संघर्ष की एक लंबी कथा है, जिसमें पलड़े बारी–बारी से एक से दूसरी तरफ झुकते रहे हैं। आज अगर भाजपा लगभग अपराजेय स्थिति में नजर आती है, तो यह पलड़े का कुछ खास वर्ग हितों की तरफ झुकने का परिणाम है। इसलिए भाजपा की शक्ति को समझने के लिए जरूरी है कि हम उन परिघटनाओं पर गौर करें, जिन्होंने गुजरे कुछ दशकों में पलड़े को इस दिशा में झुका दिया।इस बिंदु पर यह याद रखना जरूरी है कि आजादी के बाद तीन दशकों तक बिल्कुल अलग प्रकार की परिघटनाएं भारतीय राजनीति पर हावी थीं।

चीन में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर पहुंचा 32

शीनिंग , एजेंसी। चीन के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र में हाल ही में आए भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। किंघई आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने सोमवार को बताया कि किंघई प्रांत में मृतकों की संख्या 18 से बढ़कर 32 हो गई है जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान,बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विभाग के अनुसार, उत्तर– पश्चिमी क्षेत्र गांसु और किंघई प्रांतों में 18 दिसंबर को आये भूकम्प की 6.2 तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गयी थी। इससे व्यापक रूप से क्षति हुयी है।

रोहिंग्या की स्वदेश वापसी के लिए ऑस्ट्रेलिया 235 मिलियन अमरीकी डॉलर बांग्लादेश को देगा

ढाका ,एजेंसी। म्यांमार से विस्थापित 10 लाख से अधिक रोहिंग्याओं की उनकी मातृभूमि में सम्मानजनक वापसी के लिए ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश को लगभग 235 मिलियन अमेरिकी डॉलर देगा। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह बयान तब आया जब बांग्लादेश में निवर्तमान ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त जेरेमी ब्रुअर ने ढाका में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। रोहिंग्या मुद्दे पर, दूत ने म्यांमार में जबरन विस्थापित रोहिंग्याओं की सम्मानजनक वापसी के लिए बांग्लादेश को अपने देश का समर्थन दोहराया और कहा कि इस काम के लिए लगभग 235 मिलियन डॉलर दिया जाएगा। म्यांमार से विस्थापित 10 लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश की राजधानी ढाका से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में कॉक्स बाज़ार में रह रहे हैं।

क्रिसमस के दिन सिडनी हवाई अड्डे पर 23 उड़ानें रद्द

सिडनी ,एजेंसी। क्रिसमस से एक दिन पहले भारी बारिश और बाढ़ के कारण सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी हवाई अड्डे पर आगमन और प्रस्थान करने वाली कम से कम 23 उड़ानों को रद्द कर दिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक आज सुबह सात बजे तक सिडनी हवाई अड्डे की वेबसाइट पर आगमन और प्रस्थान बोर्ड पर 23 उड़ानें रद्द कर दिये जाने की जानकारी दी गई है। हवाई अड्डे पर परिचालन संबंधी कोई समस्या नहीं थी, लेकिन क्रिसमस की पूर्व संध्या पर भारी बारिश और आंधी के कारण व्यवधान के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया। रद्द की गईं उड़ानों में सात वर्जिन, छह क्वांटास और तीन जेटस्टार उड़ानें शामिल हैं। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने पिछले 24 घंटों में सिडनी और उसके आसपास प्रतिकूल मौसम के कारण उड़ानें रद्द किये जाने की पुष्टि की है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की राज्य आपातालीन सेवा ने पूरे सिडनी में 20 बाढ़ बचाव अभियान चलाया और शहर के दक्षिणी उपनगर पेजवुड में 30 घरों के जलमग्न होने की खबर प्राप्त होने के बाद प्रतिक्रिया दी।

ईरानी नौसेना में नई स्वदेशी मिसाइल प्रणाली, हेलीकॉप्टर शामिल

तेहरान ,एजेंसी। ईरानी नौसेना ने दक्षिणपूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आयोजित एक समारोह में क्रूज मिसाइल प्राणाली और हेलीकॉप्टर सहित नए घरेलू हथियारों की आपूर्ति प्राप्त की। जानकारी के अनुसार, कोनारक काउंटी में आयोजित समारोह में सेना के कमांडर अब्दोलरहीम मौसवी, नौसेना कमांडर शाहराम ईरानी और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। आईआरएनए के अनुसार, हथियारों और उपकरणों में तलाइह और नासिर क्रूज़ मिसाइल प्रणाली, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से लैस और टोही अभियानों में सक्षम हेलीकॉप्टर और वाहक–लॉन्च कामिकेज़ ड्रोन शामिल हैं।श्री ईरानी ने समारोह में कहा कि तलाइह प्रणाली की परिचालन सीमा 1,000 किलोमीटर है और यह उड़ान में दिशा परिवर्तित कर सकती है।

कोरोना ने फिर बढ़ाई टेंशन, बीते 24 घंटों में आए 628 नए मामले, केरल में सबसे अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर लोगों की चिंता बढ़ा दी है। देश में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 4 हजार के पार हो गए हैं। खास तौर पर कोरोना के नए वेरिएंट जेएन–1 की बढ़ती दर के चलते कई राज्यों ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार देश में बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना के 628 नए मामले सामने आए हैं जबकि 316 लोग स्वस्थ हुए हैं। वहीं, कोरोना के चलते एक व्यक्ति की मौत हुई है। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4054 हो गई है।

बता दें कि बीते 24 घंटों के दौरान कोरोना के सबसे अधिक मामले केरल में सामने आए हैं। केरल में एस दौरान एक्टिव मामलों में 128 की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, महाराष्ट्र में भी कोरोना के 50 नए मामले सामने आए हैं। परेशानी की बात यह है कि महाराष्ट्र के ठाणे शहर में कोरोना के नए

वेरिएंट जेएन–1 वेरिएंट के 5 मामले सामने आए हैं।

उधर, डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर अलर्ट जारी किया है। हलड ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से कोरोना के नए वेरिएंट जेएन–1 और इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों को लेकर निगरानी बढ़ाने को कहा है। साथ ही डब्ल्यूएचओ ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। फिलहाल मौजूद सबूतों के मुताबिक कोरोना के नए वेरिएंट जेएन–1 से उतना खतरा नहीं है, लेकिन हमें इस वायरस में आ रहे बदलावों को ट्रैक करना चाहिए, जिससे हम सही रिस्पॉन्स पर काम कर सकें।

पटना में चोरों ने दारोगा को मारी गोली, बैटरी चोरी करते समय पहुंच गई थी पुलिस

पटना ,(एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के बेऊर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक दारोगा को गोली मार दी। घायल दारोगा का इलाज एक अस्पताल में चल रहा है, जहां वे खतरे से बाहर बताए जा रहे है।

पुलिस ने हालांकि तीन चोरों को पकड़ लिया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बीती देर रात करीब दो बजे सूचना मिली कि सात की संख्या में बदमाश बेऊर चौक के पास एक टेलीकॉम टावर में बैटरी चोरी कर रहे हैं।

इस सूचना के आधार पर दारोगा फूलनराम पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। चोरों ने पुलिस को आता देख फायरिंग शुरू कर दी।

इस दौरान एक गोली दारोगा के दाहिने हाथ में जा लगी।

इस बीच, पुलिस ने भाग रहे तीन चोरों को दौड़ाकर पकड़ लिया, लेकिन चार बदमाश भागने में सफल रहे।

अधिकारी ने बताया कि घायल दारोगा को तत्काल स्थानीय एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम विजयन कर सकते हैं मंत्रियों के विभागों में फेरबदल

तिरुवनंतपुरम ,(एजेंसी)। सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विभिन्न सहयोगियों के बीच 2021 के समझौते के तहत, पिनाराई विजयन सरकार के दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है और शुक्रवार को उनके स्थानापन्न मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। दो मंत्रियों एंटनी राजू और अहमद देवरकोविल ने रविवार को इस्तीफा दे दिया। मई 2021 में, जब दूसरी पिनाराई विजयन सरकार ने कार्यभार संभाला, तो एकल विधायकों वाली पार्टियों के बीच कैबिनेट पदों को साझा करने का सैद्धांतिक निर्णय हुआ।

उस फॉर्मूले के तहत, एंटनी राजू को परिवहन विभाग दिया गया और अहमद देवरकोविल ने बंदरगाह विभाग संभाला और दोनों ने रविवार को मुख्यमंत्री विजयन को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

समझौते के अनुसार, कार्यालय में 30 महीने पूरे होने के बाद, दोनों मंत्रियों को फिल्म अभिनेता से नेता बने के.बी. गणेश कुमार (राजू की जगह लेने के लिए) और अनुभवी कदनपल्ली रामचंद्रन (देवरकोविल की जगह लेने के लिए) के लिए रास्ता बनाना था। ।

लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि मौजूदा मंत्रियों, विशेषकर सीपीआई (एम) के विभागों में फेरबदल हो सकता है, लेकिन इसे एक गुप्त रहस्य के रूप में रखा जा रहा है और इसका फैसला कोई और नहीं बल्कि सीएम विजयन करेंगे।फेरबदल की चर्चा तब उठी, जब गणेश कुमार, जिन्होंने 2016 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ से एलडीएफ में अपनी वफादारी बदल दी थी, ने कहा था कि उन्हें परिवहन विभाग नहीं चाहिए।2001 में मंत्री के रूप में गणेश कुमार ए.के. एंटनी सरकार ने परिवहन को संभाला, और सूत्रों के अनुसार उन्होंने इच्छा व्यक्त की है कि यदि संभव हो तो वह एक अलग पोर्टफोलियो प्राप्त करना चाहेंगे, क्योंकि राज्य संचालित परिवहन विभाग का अस्तित्व हाथ से है, वेतन और पेंशन कभी भी समय पर नहीं दिए जाते हैं।

57 वर्षीय कुमार 2001 से विधायक हैं। वह 2001 में एंटनी की कैबिनेट में मंत्री थे, लेकिन कुछ वर्षों के बाद उन्होंने अपने पिता के लिए जगह बना ली। फिर 2016 में ओमन चांडी कैबिनेट में और अपनी तत्कालीन पत्नी के साथ एक घरेलू मुद्दे के बाद, कुमार ने पद छोड़ दिया और तब से वह कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ से नाराज थे। अंततः, वह अपने पिता के साथ अपनी पार्टी झ केरल कांग्रेस (बी) को वामपंथ में ले आए। अब पोर्टफोलियो में बदलाव पर अंतिम फैसला विजयन को लेना है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वे शपथ ग्रहण का बहिष्कार करेंगे क्योंकि गणेश कुमार ने सौर घोटाला मामले (2014) में तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमन चांडी पर हमला करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और जिसमें गणेश कुमार कांग्रेस द्वारा दायर मामले का सामना कर रहे हैं।

मजदूरों का हित, मजदूरों को समर्पित: पीएम मोदी ने हुकुमचंद मिल के श्रमिकों को दी सौगात

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुकुमचंद मिल के श्रमिकों के लगभग 224 करोड़ रुपये के चेक आधिकारिक परिसमापक और मिल के श्रमिक संघ के प्रमुखों को सौंपे। प्रधानमंत्री ने इंदौर में ह्यमजदूरों का हित मजदूरों को समर्पितह्न कार्यक्रम के दौरान यह चेक सौंपा। मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि आज का ये कार्यक्रम हमारे श्रमिक भाइयों–बहनों की वर्षों की तपस्या का परिणाम है। यह उनके कई वर्षों के सपनों और संकल्पों का परिणाम है।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे श्रमिक परिवार डबल इंजन सरकार की नई टीम को अपना आशीर्वाद देंगे। मोदी ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि जब हुकमचंद मिल के श्रमिकों के लिए पैकेज की घोषणा की गई थी, तो इंदौर में उत्सव का माहौल था। उन्होंने कहा, इस फैसले से हमारे श्रमिक भाइयों–बहनों के बीच त्योहार की खुशी और बढ़ गई है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता भारत रत्न अटल बिहार बाजपेयी

को भी याद किया और कहा, आज का कार्यक्रम इसलिए भी खास है, क्योंकि आज अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती है और सुशासन दिवस है। अटल जी का मध्य प्रदेश से क्या आत्मीयता रिश्ता था, ये हम सभी जानते हैं।

प्रधानमंत्री ने 224 करोड़ रुपये के चेक सौंपे जाने का जिक्र करते हुए कहा, आज प्रतीकात्मक तौर पर 224 करोड़ रुपये का चेक सौंपा गया है। आने वाले दिनों में यह राशि श्रमिक भाइयों–बहनों तक पहुंच जाएगी। मुझे पता है आपने कई चुनौतियों का सामना किया है।

बीएसपी को इंडिया ब्लॉक में शामिल करने पर कोई बातचीत नहीं : जयंत चौधरी

बागपत ,(एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक दल प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा है कि बसपा को इंडिया ब्लॉक में शामिल करने के लिए कोई बातचीत नहीं चल रही है।

यह कहते हुए कि ब्लॉक के घटक दलों के बीच सीट वितरण जल्द ही होगा, उन्होंने कहा, अब तक, किसी भी पार्टी ने इस संबंध में कोई दावा नहीं किया है।

राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) प्रमुख, जो रविवार शाम उत्तर प्रदेश के बागपत में पत्रकारों से बात कर रहे थे, से बीएसपी को इंडिया ब्लॉक में शामिल किए जाने की संभावना के बारे में पूछा गया था। उन्होंने कहा, हम बसपा से बात नहीं कर रहे हैं। मीडिया खबर चला रहा है लेकिन इस पर फैसला बसपा को करना है।'

बसपा प्रमुख मायावती पहले दिन से कहती रही हैं कि वह इंडिया गुट में शामिल नहीं होना चाहतीं। चौधरी ने कहा, उन्हें जबरदस्ती गठबंधन में शामिल नहीं किया जा सकता।

संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल पर विवाद के बारे में पूछे जाने पर, रालोद प्रमुख ने इस कृत्य को व्यंग्य करार दिया और कहा कि जाति–संबंधी शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया गया था।

नौसेना ने अरब सागर में जहाज पर हमले का दिया जवाब

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में एमटी केम प्लूटो जहाज पर मिसाइल व ड्रोन हमले का जवाब दिया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 23 दिसम्बर को लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर एक मिसाइल या ड्रोन जैसी वस्तु के टकराने के बाद 22 चालक दल (21 भारतीय और एक वियतनामी) वाले जहाज में आग लगने की सूचना मिली थी। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, भारतीय नौसेना ने नियमित निगरानी के लिए क्षेत्र में सक्रिय एक समुद्री गश्ती विमान को मोड़ दिया। भारतीय नौसेना ने भी स्थिति का आकलन करने और एमटी केम प्लूटो को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाज मोर्मुगाओ को डायवर्ट किया।

नए वर्ष के लिए शराब तस्करों की बढ़ी सक्रियता, रोज ढूंढ रहे नए तरीके

पटना ,(एजेंसी)। नए वर्ष में पार्टियों में शराब परोसे जाने को लेकर शराब तस्करों की सक्रियता इन दिनों काफी बढ़ गई है। शराब तस्कर जहां तस्करी के लिए रोज नए तरीके इजाद कर रहे हैं, वहीं पुलिस और उत्पाद विभाग भी इन तस्करों को पकडने के लिए चौकस है। गोपालगंज में पिछले 24 घंटे की बात करें तो पुलिस और उत्पाद विभाग ने शराब तस्कर द्वारा बाइक में पेट्रोल वाली टंकी और सीट कवर को ही शराब छिपाने का ठिकाना बनाने के तरीके को पकड़ा है।

यही नहीं, तस्कर शरीर में जैकेट के अंदर भी शराब छिपाकर तस्करी कर रहे हैं। उत्पाद पुलिस ने पांच शातिर तस्करों की गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा किया है।

गोपालगंज के उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि यूपी से बाइक की टंकी, सीट कवर के अंदर और शरीर में सेलोटेप से चिपका कर शराब की तस्करी करने वाले पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से तीन बाइक और 395 बोतल शराब बरामद की गयी है।

उन्होंने कहा कि शराब तस्करों को पकडने के लिए ड्रोन, स्कैनिंग मशीन की मदद ली जा रही है। नए वर्ष को लेकर उत्पाद पुलिस ने चेकपोस्ट पर चौकसी बढ़ा दी है।

कश्मीर में भीषण शीतलहर जारी, न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे

श्रीनगर ,(एजेंसी)। कश्मीर में भीषण शीत लहर के कारण सोमवार को न्यूनतम तापमान जीरो से कई डिग्री नीचे रहा।

मौसम विभाग के एक बयान में कहा गया है, श्रीनगर शहर में आज न्यूनतम तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम में यह क्रमशः शून्य से 2.6 और शून्य से 4.3 डिग्री नीचे था।लद्दाख के लेह शहर में रात का सबसे कम तापमान माइनस 6.7 और कारगिल में माइनस 8.1 रहा।जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 7.3, कटरा में 8.1, बटोट में 5.9, भद्रवाह में 2.4 और बनिहाल में 6.2 रहा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत पर गदगद हुए रोहित शर्मा

नई दिल्ली। पहले इंग्लैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया को धूल चटाकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने 39 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार कंगारू टीम को पटखनी दी। महिला टीम की क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अपार सफलता को देख रोहित शर्मा भी गदगद हो गए हैं। हिटमैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है।

रोहित ने की महिला टीम की जमकर तारीफ

रोहित शर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "पिछले दो टेस्ट मैचों में उनको खेलते देखते हुए मुझे बहुत मजा आया, जिस तरह से वह टेस्ट मैच खेल रही हैं उसको देखकर काफी अच्छा लगा। मुझे जीत के बाद उनके चेहरों पर और बॉडी लैंग्वेज में वो पेशन दिखाई दिया। यह देखकर काफी अच्छा लगा कि लोग अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं, चाहे वो मेंस क्रिकेट हो या फिर विमेंस क्रिकेट।"

हिटमैन ने आगे कहा, "मैं उम्मीद करता हूं कि महिला क्रिकेट टीम इसी तरह से मजबूती से आगे बढ़ती रहेगी और उनको भविष्य में और टेस्ट मैच खेलने का मौका मिलेगा। मुझे भरोसा है कि भविष्य में आप महिला क्रिकेट टीम को टेस्ट क्रिकेट में खेलते हुए देखेंगे।"

वर्ल्ड कप की हार पर क्या बोले रोहित?

वर्ल्ड कप की हार को लेकर कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, "देखिए जिस तरह से पूरे टूर्नामेंट में हमारा प्रदर्शन रहा, उसको देखते हुए आप चाहते हैं कि वो एक इंच भी हम पार कर पाते। हालांकि, दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम ऐसा करने में नाकाम रहे। विश्व कप के फाइनल में मिली हार हम सभी के लिए बड़ा झटका थी। हमने इसके लिए पिछले कई सालों में काफी मेहनत की थी और आपने देखा भी शुरुआती 10 मैचों में हमने किस तरह की क्रिकेट खेली।"

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ डेविस कप मुकाबले पर आईटीएफ के फैसले का स्वागत किया

लाहौर, अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को भारत के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले की मेजबानी करने की अनुमति देने के फैसले को बरकरार रखने के बाद पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने खुशी व्यक्त की।

रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले आईटीएफ का फैसला शुरुआती फैसले के खिलाफ अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) की अपील के बाद आया था।

एआईटीए ने 8 फरवरी, 2024 को होने वाले पाकिस्तान के आम चुनावों के बारे में चिंताओं का हवाला दिया, लेकिन आईटीएफ के स्वतंत्र न्यायाधिकरण ने चिंताओं को निराधार माना।

आईटीएफ ने अपनी आधिकारिक घोषणा में कहा, सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद ट्रिब्यूनल ने निर्धारित किया कि प्रस्तुत कारणों में पर्याप्त योग्यता नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास प्रमुख डेविस कप मुकाबलों की सफलतापूर्वक मेजबानी करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और वह इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए फिर से ऐसा कर सकता है। .पीटीएफ के अध्यक्ष सलीम सैफुल्ला खान ने इस खबर का स्वागत किया और कहा, यह फैसला पाकिस्तानी टेनिस और खेल प्रशंसकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। राष्ट्रपति ने कहा, भारतीय टीम की संभावित यात्रा न केवल टेनिस प्रेमियों के लिए एक रोमांचकारी तमाशा होगी, बल्कि लोगों के बीच संबंधों को भी बढ़ावा देगी और अंतरराष्ट्रीय खेलों में सकारात्मक योगदान देगी। डेविस कप मुकाबला फरवरी 2024 के पहले सप्ताह के दौरान पाकिस्तानी राजधानी इस्लामाबाद में होने वाला है।

बॉलिंग अटैक से खिलवाड़ करेंगे ये 2 भारतीय बल्लेबाज!

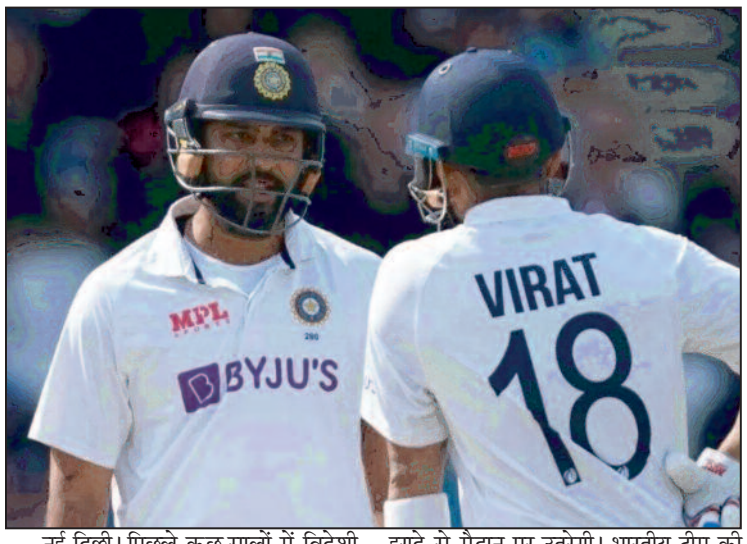

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में विदेशी सरजमीं पर टीम इंडिया का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी धाकड़ टीमों को भारत ने घर में घुसकर हार का स्वाद चखाया है। हालांकि, टीम इंडिया टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका का किला अब तक नहीं भेद सकी है। 26 दिसंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित की टोली 31 साल का सूखा खत्म करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के कंधों पर होगी। सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत के इन दो दिग्गज बल्लेबाजों का बल्ला टेस्ट सीरीज में जमकर बोलेगा।

सुनील गावस्कर ने की भविष्यवाणी

सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत करते हुए कहा, "रोहित और कोहली अनुभवी बल्लेबाज हैं, जो हर जगह खेलकर आ रहे हैं। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि वह दो टेस्ट मैच में जमकर रन बनाएंगे। इस वजह से नहीं कि उनके पास बहुत टैलेंट है, बल्कि इस बार साउथ अफ्रीका के बॉलिंग अटैक में वो दमखम नहीं दिखाई दे रहा है। नॉर्टजे की गैरमौजूदगी और रबाडा–एनगिडी के खेलने के कम चांस को देखते हुए साउथ अफ्रीका का गेंदबाजी अटैक अनुभवहीन सा दिख रहा है।"पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने आगे कहा, "मैं ऐसा नहीं कह रहा कि साउथ अफ्रीका के बॉलिंग अटैक में क्लास की कमी है। मुझे लगता है कि यह दोनों बल्लेबाज टेस्ट सीरीज में जमकर रन बनाएंगे और भारतीय टीम की स्कोर बोर्ड पर बड़ा टोटल लगाने में मदद करेंगे।"

दमदार कोहली का रिकॉर्ड

विराट कोहली को साउथ अफ्रीका की धरती क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खूब रास आती है। विराट साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर बल्ला थामकर कुल 14 टेस्ट मैचों में मैदान पर उतरे हैं। इस दौरान कोहली ने खेली 24 पारियों में 56.18 के बेमिसाल स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,236 रन बनाए हैं। विराट के बल्ले से तीन शतक और चार अर्धशतक निकले हैं।

पाकिस्तान टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दी क्रिसमस की बधाई

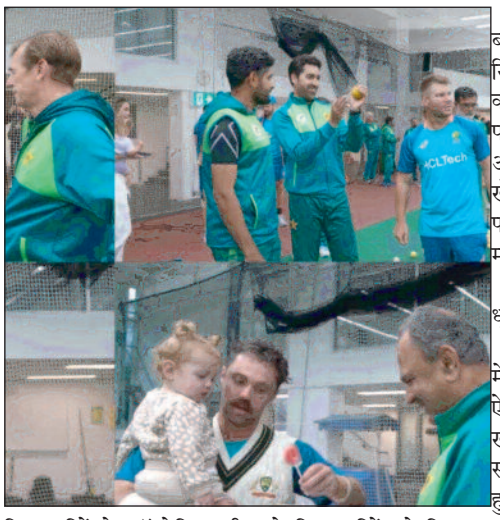

नई दिल्ली।ऑस्ट्रेलिया बॉक्सिंग–डे पर पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मैच खेल रहा है। पाकिस्तान टीम इन दिनों ऑस्ट्रेलिया में है। मेलबर्न में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से पहले आज देशभर में क्रिसमस मनाया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में क्रिसमस की धूम–

इस बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी क्रिसमस टीम की धूम है। ऐसे में पाकिस्तान टीम ने एक खास कदम उठाया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ियों को क्रिसमस पर गिफ्ट दिए हैं। वीडियो की शुरुआत में पाकिस्तान टीम का स्टाफ पैट कमिंस के साथ हाथ मिला रहे हैं।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया टीम को दिए गिफ्ट्स–

इसके साथ ही उन्होंने कमिंस को क्रिसमस की बधाई दी और उनके हाथ में गिफ्ट्स दिए। इस बीच उनके बच्चे और परिवार भी मौजूद हैं। इसके बाद वह उस्मान के साथ मिले और उन्होंने उस्मान की बेटी से मिले और उन्हे गिफ्ट दिए।

पीसीबी ने शेयर किया वीडियो–

वीडियो में ऑस्ट्रेलिया टीम के सभी खिलाड़ी धीरे–धीरे नजर आए। ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर भी वीडियो में नजर आए। इसके बाद पाकिस्तान की ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ियों संग बातचीत करती हुई नजर आई। त्योहार का वीडियो पाकिस्तान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो जमकर वायरल हो रहा है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग–11 का एलान, पूर्व कप्तान को किया बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट कल यानी 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। बॉक्सिंड डे टेस्ट से पहले दीनों ही टीमों ने प्लेइंग–11 का एलान कर दिया है। पैट कमिंस ने उन्हीं 11 खिलाड़ियों के साथ जाने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की प्लेइंग–11 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं, पाकिस्तान ने 12 खिलाड़ियों को चुना है। आइए एक नजर डालते हैं दोनों ही टीमों की प्लेइंग–11।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग–11 में नहीं हुआ कोई बदलाव

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग–11 में कोई बदलाव नहीं किया। पर्थ टेस्ट में कंगारू टीम ने जिस टीम के साथ पाकिस्तान पर दबदबा बनाया था। दूसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया उसी प्लेइंग–11 के साथ उतरेगी।

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया (ढअड ५२ अवर) के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट के लिए पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग–11 में काफी बदलाव किए हैं। सबसे बड़ा बदलाव ये है कि विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद को सिर्फ एक मैच के बाद बाहर का रास्ता दिखाया गया। उनकी

जगह मोहम्मद रिजवान को प्लेइंग–11 में शामिल किया गया।

कप्तान शान मसूद ने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा कि टीम मैनेजमेंट का मानना है कि थोड़ा ब्रेक लेकर सरफराज अपने आपको फिर से वापस में लय में ला सकते हैं। पाकिस्तान ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए कुल 12 खिलाड़ियों का चयन किया है। तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद पसली की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। ऐसे में मेहमान टीम की प्लेइंग–11 में एक बदलाव होगा।

पाकिस्तान– इमाम–उल–हक, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सउद्द शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान अली आगा, शाहीन अफरीदी, हसन अली, मीर हमजा, आमिर जमाल, साजिद खान।

ऑस्ट्रेलिया– डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com